

मेंटल हेल्थ सुधारने का बिजनेस कर रहे हैं स्टार्टअप, एप, चैटबोट और इनोवेटिव टेक्नोलॉजी से कर रहे हैं प्रोफेशनल्स की मदद

एजेंसी लंदन

मिशन की टेक कंपनी ओलार्क में वेब डेवलपर मैडलिन पार्कर ने जुलाई में साथियों को मेल भेजा कि वह मेंटल हेल्थ पर ध्यान देने के लिए छुट्टी ले रही हैं। ताजा होकर हफ्तेभर बाद काम पर लौटेंगी। सीईओ बेन ने मैडलीन के इस कदम की तारीफ की। पर ऐसा माहौल अभी कंपनियों में नहीं है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक मेंटल हेल्थ पर खर्च अपने आप में 65 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था बन गया है। डब्ल्यूएचओ ने 10 अक्टूबर को ऑफिस में मेंटल हेल्थ अवैरनेस डे मनाने की परंपरा शुरू की। कई कंपनियां मेंटल हेल्थ में बिजनेस के मौके तलाश रही हैं। टेक्नोलॉजी के जरिए वो मेंटल हेल्थ सुधार भी रही हैं जानिए कुछ ऐसी ही कंपनियों के बारे में...

सहानुभूति और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस जैसे टूल्स का इस्तेमाल कर सुलझा रहे हैं समस्याएं

एआई डाटा की मदद से दी जाती है यूजर्स को सलाह

वेलबीईंग एप 'एलिफेंट' के कोफाउंडर नील बिकेट ने बताया, 'मेंटल हेल्थ अब भी बड़ी समस्या है। मैं अपने लंबे अनुभव से बता सकता हूँ कि कंपनियों में कितना स्ट्रेस होता है और इसका सही हल नहीं मिल पाता। इसलिए मैंने यह प्लेटफॉर्म बनाया। यह यूजर्स को सही समय पर सही सलाह देता है। इसके लिए यह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस डाटा का इस्तेमाल करता है।

■ इस एप को सबसे ज्यादा इस्तेमाल करने वालों 25-45 उम्र वर्ग के प्रोफेशनल्स हैं।

भावनात्मक रूप से जुड़कर समस्या दूर करता है वायसा

वायसा, बिहेवियरल हेल्थ को समर्पित एआई चैटबोट (बात करने वाला रोबोट) है। इसे कोलंबिया और कैंब्रिज के रिसर्चर्स की मदद से डेवलप किया गया है। यहां इस्तेमाल हर तकनीक रिसर्च आधारित है। वायसा यूजर्स को तत्काल भावनात्मक जुड़ाव देता है। सहानुभूति देने वाला यह पहला एआई रोबोट है। इसलिए इंसानों की जिंदगी को बचाने में यह मददगार है।

■ मेंटल हेल्थ से जुड़े मुद्दों के लिए 30 देशों में 90 हजार यूजर्स इसकी सेवाएं ले रहे हैं।

महिलाओं को मानसिक रूप से मजबूत बनाएगा जिंक

'जिंक' की कोफाउंडर एला गोल्डनर ने बताया, 'हमारा ध्यान महिलाओं और युवतियों पर ही क्योंकि उन्हें ज्यादा स्ट्रेस झेलना पड़ता है। हमारा मिशन 6.5 करोड़ महिलाओं-युवतियों का मेंटल और इमोशनल हेल्थ सुधारना है। मेंटल और सोशल हेल्थ बदलाव वाले इस मिशन की रूपरेखा तय करने के लिए इसी माह 40 सोशल इनोवेटर्स लंदन में जुट रहे हैं।

■ इसके पहले मिशन के लिए 800 प्रोफेशनल्स ने रजिस्ट्रेशन करवाया है।